

प्रेस विज्ञप्ति
आपदा प्रबंधन विभाग
01 अक्टूबर 2026

बाढ़ की स्थिति एवं राहत कार्यों की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

01 अक्टूबर को आपदा प्रबंधन विभाग में मुख्य सचिव, बिहार श्री प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में राज्य के बाढ़ प्रभावित एवं संवेदनशील जिलों में संचालित राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, वैशाली एवं मुजफ्फरपुर के जिला पदाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव श्री संतोष कुमार मल्ल भी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संबंधित जिलों में बाढ़ की वर्तमान स्थिति तथा प्रभावित क्षेत्रों में संचालित राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस क्रम में तटबंधों की स्थिति एवं उनकी सतत निगरानी, बाढ़ राहत शिविरों का संचालन, सामुदायिक रसोई, नावों का परिचालन, पशु चारा एवं पॉलिथीन शीट का वितरण तथा राहत सामग्री की उपलब्धता एवं वितरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई।

मुख्य सचिव ने सभी संबंधित जिलाधिकारियों को बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखने तथा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को पूरी तत्परता के साथ संचालित करने का निर्देश दिया। उन्होंने तटबंधों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता के अनुसार नाव, राहत सामग्री, पशु चारा, पॉलिथीन शीट एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता में तत्काल वृद्धि करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों को समय पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी न हो तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए प्रभावित लोगों को त्वरित राहत प्रदान की जाए।

राहत कार्यों की अद्यतन स्थिति

वितरित पॉलीथीन शीट की संख्या: बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच राहत एवं बचाव कार्य हेतु अबतक लगभग 55,800 पॉलीथीन शीट का वितरण किया गया है।

वितरित ड्राई राशन पैकेट की संख्या: बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच राहत एवं बचाव कार्य हेतु लगभग 46,200 ड्राई राशन पैकेट का वितरण किया गया है। वितरण कार्य जारी है।

परिचालित नावों की संख्या: आबादी निष्क्रमण एवं आवागमन को सुगम बनाने हेतु कुल 328 नावों का परिचालन कराया जा रहा है। आवश्यकता के अनुसार नावों की संख्या बढ़ाने का निदेश दिया गया है।

सामुदायिक रसोई केन्द्र: बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए कुल 240 सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से अबतक लगभग 3.51 लाख लोगों (थाली की संख्या) को भोजन कराया गया है।

बाढ़ राहत शिविर: 02 राहत शिविर का भी संचालन किया जा रहा है जहाँ 100 बाढ़ शरणार्थियों के लिए आवासन, भोजन, चिकित्सा इत्यादि की व्यवस्था की गई है।

एन०डी०आर०एफ०: संभावित बाढ़ के दृष्टिगत त्वरित राहत एवं बचाव कार्य हेतु एन०डी०आर०एफ० की 14 टीमों को प्रतिनियुक्त किया गया है।

एस०डी०आर०एफ०: संभावित बाढ़ के दृष्टिगत त्वरित राहत एवं बचाव कार्य हेतु एस०डी०आर०एफ० की 27 टीमों को प्रतिनियुक्त किया गया है।